# सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

## कक्षा 10 – सत्र 2019–20

## प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 12

**निर्धारित समय– 3 घंटे** **अधिकतम अंक – 80**

**सामान्य निर्देश:–**

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

---

## खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**1.** निम्नलिखित विकल्पों में से कौनसा इस कार्टून को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

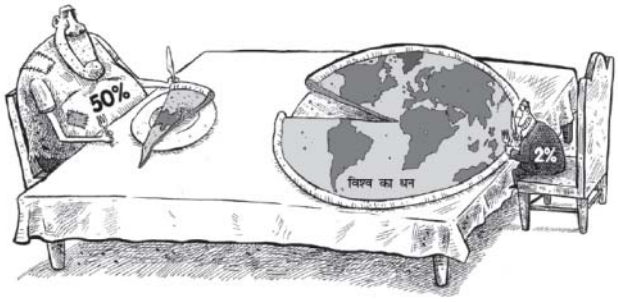


(a) विश्व में खाद्य आपूर्ति की असमानता

(b) विश्व में फैल रही मोटापे की समस्या

(c) विश्व का धन चंद लोगों के हाथों में

(d) विश्व के धन का दुरुपयोग

**उत्तर** : (c) विश्व का धन चंद लोगों के हाथों में

**2.** निम्नलिखित समाचार पत्रों/किताबों को उनके प्रकाशन वर्ष के अनुसार बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए– 1

1. पहली मलयालम किताब
2. डायमण्ड सूत्र
3. बंगाल गजट
4. संवाद कौमुदी

(a) 2–1–3–4

(b) 1–2–3–4

(c) 4–3–2–1

(d) 2–3–1–4

**उत्तर** : (a) 2–1–3–4

**3.** निम्नलिखित में से कौन–सा कथन मेत्सिनी के विचारों के सम्बन्ध में सत्य है? 1

(a) राजतन्त्रों का विरोध और लोकतांत्रिक गणराज्यों का समर्थन।

(b) राजतन्त्र के अन्तर्गत स्वतंत्रता को स्थापित करना।

(c) जर्मन परिसंघ का 39 राज्यों में विघटन।

(d) समाचार–पत्रों, नाटकों और गीतों की सेंसरशिप।

**उत्तर** : (a) राजतन्त्रों का विरोध और लोकतांत्रिक गणराज्यों का समर्थन।

**4.** जी. डी. पी. का अर्थ है सकल घरेलू उत्पाद। यह क्या दर्शाता है? 1

**उत्तर** :

यह दर्शाता है कि दिए हुए वर्ष में कुल उत्पादन के संदर्भ में एक देश की अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी है।

**अथवा**

अतिरिक्त रोजगार के सृजन का एक उपाय बताइए।

**उत्तर** :

अर्द्ध–ग्रामीण क्षेत्रों में उन उद्योगों और सेवाओं को बढ़ावा देना जहाँ बहुत अधिक लोग नियोजित किए जा सकें।

**5.** निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें एवं पुनः लिखें– 1

समवर्ती सूची में राष्ट्रहित के विषय जैसे–देश की रक्षा, विदेश मामले, बैंकिंग, संचार आदि शामिल होते हैं।

**उत्तर** :

केन्द्रीय सूची में राष्ट्रहित के विषय जैसे–देश की रक्षा, विदेश मामले, बैंकिंग, संचार आदि शामिल होते हैं।

**6.** निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प तिलक जी के इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) धार्मिक भेदभाव

(b) धार्मिक एकता का जुड़ाव

(c) बलिदान

(d) सत्ता एवं शक्ति

**उत्तर** : (b) धार्मिक एकता का जुड़ाव

**7.** द्वारकानाथ टैगोर 1830 में भारत में छह संयुक्त कंपनियों की स्थापना करने वाले एक भारतीय ..... थे। 1

**उत्तर** : उद्यमी

**8.** सत्ता की साझेदारी में **नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था** क्या है? 1

(a) यह आर्थिक व्यवस्था को संतुलित करती है।

(b) यह किसी भी प्रकार के भेदभाव की अनुमति नहीं देती है।

(c) यह सरकार को असीमित शक्तियाँ प्रदान करती है।

(d) यह सुनिश्चित करती है कि सरकार का कोई भी अंग असीमित शक्तियों का दुरुपयोग नहीं कर सकता।

**उत्तर** : (d) यह सुनिश्चित करती है कि सरकार का कोई भी अंग असीमित शक्तियों का दुरुपयोग नहीं कर सकता।

**9.** निम्नलिखित तालिका को रेलवे ट्रेक के दोनों आन्तरिक किनारों के बीच की दूरी के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए- $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

| रेलवे लाइन | बड़ी लाइन | मीटर लाइन | छोटी लाइन |
|---|---|---|---|
| आन्तरिक किनारों के बीच की दूरी | (A)-? | 1.000 मीटर | (B)-? |

**उत्तर** :

(A) - 1.676 मीटर

(B) - 0.762 और 0.610 मीटर

**10.** निम्नलिखित में से कौन-सा जैव संसाधन नहीं है? 1

(a) प्राणीजात (b) वनस्पतिजात

(c) चट्टानें (d) पशुधन

**उत्तर** : (c) चट्टानें

**11.** मानव विकास सूचकांक क्या है? 1

**उत्तर** :

ऐसा सूचकांक जो प्रति व्यक्ति आय, साक्षरता दर तथा औसत संभावित आय पर आधारित होता है।

**अथवा**

आर्थिक विकास तथा संवृद्धि में एक अन्तर बताइए।

**उत्तर** :

आर्थिक विकास का सम्बन्ध अल्प विकसित देशों तथा आर्थिक संवृद्धि का सम्बन्ध विकसित देशों से होता है।

**12.** धनंजय एक सरकारी कर्मचारी है और अमीर घराने से संबंधित है जबकि राजू एक मजदूर है और गरीब ग्रामीण घराने से आया है। दोनों को आवश्यकता है और वे ऋण लेना चाहते हैं। 1
ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि राजू किस तरह का ऋण लेने में समर्थ रहेगा?

(a) औपचारिक ऋण (b) अनौपचारिक ऋण

(c) दोनों प्रकार का ऋण (d) इनमें से कोई नहीं

**उत्तर** : (b) अनौपचारिक ऋण

**13.** ..... में आधी से अधिक आबादी गरीबी में रहती है। 1

**उत्तर** : बांग्लादेश

**अथवा**

..... की नियमित बातें हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त हैं कि लोकतंत्र इस बुराई से मुक्त नहीं है।

**उत्तर** : भ्रष्टाचार

**14.** सूची-I का सूची-II से मिलान करें- 1

| | सूची-I | | सूची-II |
|---|---|---|---|
| 1. | सहकारी क्षेत्र के उद्योग | क | टाटा स्टील |
| 2. | इलेक्ट्रिकल उद्योग | ख | स्वामित्व और कच्चे माल के उत्पादकों या आपूर्तिकर्ताओं द्वारा संचालित |

| | सूची–I | | सूची–II |
|---|---|---|---|
| 3. | टिस्को | ग | ऑयल इंडिया लि. |
| 4. | सार्वजनिक और निजी क्षेत्र का संयुक्त रूप से स्वामित्व | घ | खनिज आधारित उद्योग |

**उत्तर** : 1–ख, 2–घ, 3–क, 4–ग

**15.** उस दल को क्या कहते हैं जिसे लोकसभा चुनाव में 6% मत अथवा 4 सीटें प्राप्त हुई हो? 1

**उत्तर** : राष्ट्रीय दल।

**अथवा**

भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है?

**उत्तर** : कमल का फूल

**16.** किसी खनिज में अन्य तत्त्वों का मिश्रण होना क्या कहलाता है? 1

**उत्तर** : अयस्क।

**अथवा**

भारत के सबसे पुराने अणु ऊर्जा संयंत्र का नाम बताइए।

**उत्तर** : तारापुर अणु ऊर्जा संयंत्र।

**17.** नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

**कथन** (A) : भारत में संघीय शासन व्यवस्था है।

**कारण** (R) : एकात्मक प्रणाली के तहत या तो सरकार का केवल एक स्तर होता है या उप–इकाइयाँ केंद्र सरकार के अधीन होती हैं।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

**उत्तर** : (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

**18.** विश्व व्यापार संगठन की स्थापना ..... में हुई। 1

**उत्तर** : 1995

**19.** निम्न में से कौन कृषिगत कच्चे माल पर आधारित उद्योग नहीं हैं? 1

(a) चीनी उद्योग (b) सूती वस्त्र उद्योग

(c) सीमेन्ट उद्योग (d) पटसन उद्योग

**उत्तर** : (c) सीमेन्ट उद्योग

**20.** "राजनीति का जाति पर केंद्रित होना कभी–कभी यह आभास देता है कि चुनाव जातिगत होने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं।" कथन को एक तर्क से न्यायसंगत ठहराइए। 1

**उत्तर** :

जब पार्टियाँ चुनाव के लिए उम्मीदवार का चयन करती हैं तो उनके दिमाग में चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं की जाति महत्त्वपूर्ण मुद्दा होती है, जिसके आधार पर उन्हें अधिकाधिक समर्थन प्राप्त होता है।

## खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

**21.** उद्योग किस प्रकार वायु और जल को प्रदूषित करते हैं? वर्णन करें। 3

**उत्तर** :

**वायु प्रदूषण–** वायु प्रदूषण का कारण अवांछनीय गैसें जैसे सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनो ऑक्साइड का पाया जाना है। प्रदूषित वायु में ठोस तथा तरल दोनों ही कण जैसे धूल कण, स्प्रे, धुंध और धुआँ होते हैं। धुआँ रसायन, कागज उद्योग, ईंट भट्टों, खानों, तेलशोधक तथा पिघलाने के संयंत्र तथा जीवाश्म ईंधनों के जलने से उत्पन्न होता है।

**जल प्रदूषण–** जैविक और अजैविक औद्योगिक अपशिष्ट और गंदे पानी के नदी में जाने से जल प्रदूषण होता है। कागज उद्योग, रसायन उद्योग, वस्त्र उद्योग, रंगने के उद्योग तथा तेलशोधक कारखाने प्रमुख रूप से जल प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।

**अथवा**

भारत में औद्योगिक विकास के कारण उत्पन्न पर्यावरणीय निम्नीकरण को कम करने के लिए उपाय सुझाइये।

**उत्तर** :

1. स्थिर वैद्युत अवक्षेपक, कपड़े की बारीक पट्टियाँ, मार्जक तथा जड़त्वीय पृथक्कारक युक्ति को चिमनियों के भीतर अच्छी तरह लगाने से वायुमंडल में फैलने वाले प्रदूषकों को रोका जा सकता है या कम किया जा सकता है।
2. कोयले की अपेक्षा खनिज तेल व गैस से कम धुआँ निकलता है।
3. सी.एन.जी. का प्रयोग किया जाना चाहिए जो एक स्वच्छ ईंधन है।
4. मशीनी उपकरणों तथा जैनरेटरों में ध्वनि रोधक यंत्र लगाने से ध्वनि प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

**22. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है।** क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए। 3

**उत्तर** :

हाँ, मैं इस विचार से सहमत हूँ। निम्नलिखित कारणों से असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है–

1. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के लिए नौकरी की सुरक्षा नहीं होती है, क्योंकि उन्हें बिना किसी कारण नौकरी से निकाला जा सकता है।
2. उन्हें कम छुट्टियाँ दी जाती हैं तथा बीमारी आदि की छुट्टियों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है।
3. कई बार उन्हें अतिरिक्त समय लगाना पड़ता हैं, जिसके लिए उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाता है।
4. सामान्यतया, असंगठित क्षेत्रक में अनियमित कार्य प्राप्त होता है तथा जब कार्य अधिक नहीं होता तो नियोक्ता श्रमिकों को नौकरी से निकाल देता है।

**अथवा**

एक संगठित क्षेत्रक क्या हैं? इसके कोई तीन लाभ लिखें।

**उत्तर** :

संगठित क्षेत्रक को औपचारिक क्षेत्रक भी कहते हैं। यह वह क्षेत्र है जिसमें श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ (जैसे– भविष्य निधि, उपदान, पेंशन आदि) प्राप्त होते हैं। इसके कर्मचारी श्रम संघ बना सकते हैं। इस क्षेत्रक में काम करने वाले कर्मचारी नियमित होते हैं।

**संगठित क्षेत्रक के लाभ**

1. संगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ प्राप्त होते हैं।
2. श्रमिक अपने हितों की रक्षा के लिए श्रम संघ बना सकते हैं।
3. यदि उनसे अतिरिक्त काम लिया जाता है, तो उस अतिरिक्त काम का अतिरिक्त भुगतान किया जाता है।

**23.** नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1+1+1=3$

**स्रोत क**

"कोयला मजदूरों और उनकी बीवियों के गिरोह की परेशानी के कारण..... क्योंकि उनकी बीवियों का काम स्पीनिंग इंजन के कारण छिन गया था..... शुरू में वे बड़े अड़ियल ढंग से आगे बढ़े। ऊन उत्पादन में अभी अपनाई गई मशीनों को वे टुकड़े–टुकड़े कर देना चाहते थे क्योंकि उनकी वजह से शारीरिक श्रम की माँग घटने वाली थी। औरतों ने हंगामा मचाया हुआ था। आदमियों को समझाना आसान था, इसलिए कुछ खींचतान के बाद उन्हें शांतिपूर्वक घर जाने के लिए तैयार कर लिया गया।"

**स्रोत ख**

"भारत के अन्य भागों में महीन कपड़ा बनाने वाले बुनकरों की तरह कोष्टियों का भी बुरा समय चल रहा है। वे मैनचेस्टर से इतनी भारी तादाद में आने वाली आकर्षक चीजों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। हाल के सालों में वे बड़ी संख्या में यहाँ से जाने लगे हैं। वे मुख्य रूप से बिहार का रूख कर रहे हैं जहाँ दिहाड़ी मजदूर के तौर पर उन्हें रोजी–रोटी मिल जाती है....."

**स्रोत ग**

"उस जमाने में दस घंटे की शिफ्ट होती थी। शाम पाँच बजे से सुबह तीन बजे तक काम के सबसे भयानक घंटे। मेरे पिताजी ने 35 साल नौकरी की। उन्हें दमा जैसी बीमारी हो गई और वे काम करने से लाचार हो गए.....। इसके बाद मेरे पिताजी गाँव चले गए।"

**स्रोत क**

**23.1** "यह मान लिया गया था कि उनकी वजह से शारीरिक श्रम की माँग घटने वाली थी" यह कथन किससे संबंधित है? 1

**उत्तर** : यह कथन स्पीनिंग मशीन से संबंधित है।

**स्रोत ख**

**23.2** अंत में कोष्टि किस प्रकार का काम करते थे? 1

**उत्तर** : अंत में, वे रोजी–रोटी के लिए दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करते थे।

**स्रोत ग**

**23.3** पिताजी को किस तरह की बीमारी हो गई थी? 1

**उत्तर** : पिताजी को दमा जैसी बीमारी हो गई थी।

**24. फ्रांस में नेपोलियन ने प्रजातंत्र को नष्ट किया था, परन्तु प्रशासनिक क्षेत्र में उसने क्रांतिकारी सिद्धांतों का समावेश किया जिससे पूरी व्यवस्था अधिक तर्कसंगत और कुशल बन सके।** तर्कों सहित इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 3

**उत्तर** :

1. नेपोलियन ने प्रजातंत्र को नष्ट कर राजतंत्र की वापसी की और प्रशासन की पूरी व्यवस्था को अधिक तर्कसंगत और कुशल बनाया।
2. उसने नागरिक संहिता (या नेपोलियन संहिता) के द्वारा जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए और कानून के सामने सभी को बराबरी देते हुए नागरिकों के संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया।
3. नेपोलियन ने प्रशासनिक विभाजन को सरल बनाया।
4. सामंती व्यवस्था को समाप्त किया और किसानों को भू–दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई।
5. शहरों में गठित कारीगरों के श्रेणी संघों के नियंत्रण को समाप्त किया तथा यातायात और संचार व्यवस्था में सुधार किए।
6. पूरे साम्राज्य में एक जैसे मानकभार, नापतौल और एक राष्ट्रीय मुद्रा जारी की गई।

**अथवा**

19वीं सदी के दौरान यूरोप में उन परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए जिन्हें नये वाणिज्यिक वर्ग आर्थिक विनिमय और विकास में बाधक मानते थे।

**उत्तर** :

1. **विभिन्न उद्योगों का विकास–** नये वाणिज्यिक वर्ग का यह मत था कि विभिन्न प्रकार के नये उद्योगों का विकास

करने से पूँजी तथा संसाधनों में गतिशीलता बढ़ेगी जो देश के विकास में बाधक सिद्ध होगी।

2. **ज्ञान का विस्तार–** व्यापार में वृद्धि होने से कई देशों तथा उनके निवासियों के साथ संबंध में विस्तार होता है जिससे अपना ज्ञान अन्य देश में हस्तांतरित हो जाएगा जो देश के विकास में बाधक होगा।
3. **मुद्रा प्रसार पर नियंत्रण–** उनका मत था कि मुक्त बाजार क्षेत्र में पूर्ण प्रतियोगिता होगी जिसके कारण मूल्य निर्धारण होता है जिससे यह मुद्रा के प्रसार में बाधक होगा।
4. **मापतोल–** यूरोप के विभिन्न देशों में मापतोल के बाट तथा करेंसी भिन्न–भिन्न होने से वस्तु विनिमय में बाधा उत्पन्न होगी तथा इससे देश का विकास भी बाधित होगा।

**25.** लोकतांत्रिक व्यवस्था किस प्रकार नागरिकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के प्रति उत्तरदायी और जिम्मेदार है? विश्लेषण कीजिए। 3

**उत्तर :**

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार लोगों के प्रति उत्तरदायी होती है। चूँकि लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि सरकार में होते हैं। वे प्रतिनिधि लोगों के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन प्रतिनिधियों को यह भय होता है कि यदि वे लोगों के हितों की उपेक्षा करेंगे, जनहित के काम नहीं करेंगे, लोगों के प्रति उत्तरदायी नहीं होंगे तो अगले चुनावों में लोग उन्हें विजयी नहीं बनाएँगे। अतः लोकतंत्र में सरकार उत्तरदायी है। लोकतंत्र में जिम्मेदार सरकार का गठन होता है। इस सरकार को लोगों के हितों, आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार होना होता है।

**26.** भारत में 19वीं सदी के अन्त में मुद्रण संस्कृति ने महिलाओं के जीवन में किस प्रकार परिवर्तन किया? 3

**उत्तर :**

1. प्रिंट के विकास के साथ ही महिलाओं ने अपने जीवन तथा अनुभवों के बारे में लिखना शुरू कर दिया। कई पत्रिकाओं द्वारा उनकी शिक्षा का समर्थन किया गया तथा इस दिशा में विशेष प्रयास भी किए गए।
2. कुछ महिला लेखिकाएँ जैसे बंगाल में कैलाशबाशिनि देवी, महाराष्ट्र में ताराबाई शिंदे तथा पंडिता रमाबाई आदि आगे आई तथा उन्होंने महिलाओं के दयनीय जीवन के बारे में लिखा। उन्होंने उपन्यास तथा आत्मकथाएँ लिखी और उनमें महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की।
3. आरंभिक बीसवीं सदी में महिलाओं द्वारा संपादित कुछ ऐसी पत्रिकाएँ भी थी जिनमें विभिन्न मुद्दो जैसे– महिला शिक्षा, वैधव्य, विधवा पुनर्विवाह एवं राष्ट्रीय आंदोलन आदि पर चर्चा की गई। इन पत्रिकाओं मे फैशन के पाठ तथा छोटी कहानियों एवं धारावाहिक उपन्यासों के रूप में महिलाओं के मनोरंजन के लिए सामग्रियाँ भी होती थी।

**27.** पंजाब के धनी किसानों के लिए विकास के क्या लक्ष्य हैं? 3

**उत्तर :**

पंजाब के धनी किसानों के लिए विकास के लक्ष्य निम्नलिखित हैं–

1. उनकी फसलों का उच्च समर्थन मूल्य मिले।
2. उनके बच्चे विदेशों में आबाद हों।
3. श्रम सस्ता हो तथा श्रमिकों के काम करने के घंटे अधिक हों।

**अथवा**

भिन्न–भिन्न व्यक्ति विकास के विषय में अलग–अलग अवधारणाएँ क्यों रखते हैं? चर्चा करें।

**उत्तर :**

भिन्न–भिन्न व्यक्ति विकास के विषय में अलग–अलग अवधारणाएँ रखते हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं–

1. लोगों के जीवन की परिस्थितियाँ भिन्न–भिन्न हैं।
2. कुछ व्यक्ति धनी हैं और कुछ निर्धन। वे उन्हीं वस्तुओं के बारे में विचार करते हैं जो उनके लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं।
3. निर्धन व्यक्ति भोजन, कपड़ा, मकान जैसी आधारभूत आवश्यकताओं के बारे में विचार करेंगे। वे कार जैसी मूल्यवान वस्तुओं के बारे में नहीं सोच सकते। इसके विपरीत धनी व्यक्ति कीमती कारों के विषय में विचार करते हैं।

अतः लोगों की विकास की विभिन्न अवधारणाएँ होती हैं और वे अपनी जीवन–परिस्थितियों के अनुसार सोचते हैं।

**28. भारत में सड़क परिवहन अभी भी रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक है।** तर्कों सहित इस कथन का समर्थन कीजिए। 3

**उत्तर :**

1. सड़कों के लिए रेलवे की अपेक्षा पूँजी निवेश की आवश्यकता कम होती है।
2. इनका निर्माण बहुत ऊँचे स्थानों या किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।
3. सड़क परिवहन सुविधाजनक तथा साधारण व्यक्ति की पहुँच के अन्दर होता है तथा 24 घंटे उपलब्ध होता है।
4. इसकी देखभाल की लागत कम आती है।
5. सड़क परिवहन में वैयक्तिक सेवा प्रदान करने का विशेष गुण होता है।

## खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**29. व्यापार अधिशेष** शब्द को परिमाणित कीजिए। भारत के साथ व्यापार अधिशेष से प्राप्त आय का ब्रिटेन किस प्रकार उपयोग करता था ? 5

**उत्तर :**

व्यापार अधिशेष का अर्थ है दो देशों के बीच आपसी व्यापार में एक राष्ट्र को मिलने वाला लाभ। ब्रिटेन भारत के साथ व्यापार अधिशेष के सहारे दूसरे देशों के साथ होने वाले घाटे की भरपाई कर लेता था–

1. औद्योगीकरण से पहले भारत से यूरोप को सूती वस्त्रों का निर्यात होता था लेकिन औद्योगीकरण के पश्चात् ब्रिटेन में सूती–वस्त्र बनाए जाने लगे। इसीलिए सीमा–शुल्क बढ़ाकर वहाँ सूती–वस्त्रों के आयात पर पाबंदी लगा दी गई।
2. सीमा–शुल्क कानून के कारण ब्रिटिश बाजारों में सूती–वस्त्र निर्यात समाप्त होने के बाद भारतीय कपड़ों को दूसरे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। उदाहरण के लिए, 1800 ई. में कुल उत्पादन का 30 प्रतिशत सूती–वस्त्र निर्यात होता था जो 1815 में घटकर 15 प्रतिशत रह गया और 1870 में पुनः घटकर 3 प्रतिशत पर आ गया।
3. अब यूरोप की मिलों के लिए भारत से कपास का आयात किया जाने लगा। 1812 से 1871 के बीच कच्चे कपास का निर्यात 5 प्रतिशत से बढ़ कर 35 प्रतिशत तक पहुँच गया था।
4. भारतीय वस्त्रों की रँगाई के लिए इस्तेमाल होने वाले नील का भी कई दशक तक बड़े पैमाने पर निर्यात होता रहा।
5. 1820 के दशक से ब्रिटेन की सरकार भारत में अफीम की खेती करवाती थी और उसका निर्यात चीन को किया जाता था। अफीम के निर्यात से जो पैसा मिलता था उसके बदले चीन से ही चाय और दूसरे पदार्थों का आयात किया जाता था।
6. उन्नीसवीं शताब्दी में भारत से ब्रिटेन और यूरोप के अन्य देशों को खाद्यान्न व कच्चे माल का निर्यात बढ़ा। ब्रिटेन से भारत में निर्यात किए गए माल की कीमत भारत से ब्रिटेन भेजे जाने वाले माल की कीमत से बहुत ज्यादा होती थी।
7. उपनिवेश काल में ब्रिटेन का भुगतान–संतुलन हमेशा सकारात्मक और उसी के पक्ष में रहा।
8. यह बहुपक्षीय व्यापार करार का कमाल था, क्योंकि इसमें एक देश के मुकाबले दूसरे देश को होने वाले घाटे की भरपाई किसी तीसरे देश के साथ व्यापार में मुनाफा कमा कर की जाती थी।
9. अंग्रेज अधिकारियों और व्यापारियों द्वारा ब्रिटेन स्थित अपने–अपने घरों को भेजे गए रूपयों, भुगतान–संतुलन की नकारात्मक स्थिति दिखाकर उत्पन्न किए गए कृत्रिम अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तथा भारत से सेवानिवृत अंग्रेज अधिकारियों की पेंशन आदि के खर्च इसी लाभ में गृह–प्रभार (खाता–शीर्ष) नाम देकर समायोजित किए जाते थे।

**अथवा**

अनुबंधित श्रमिक कौन थे? भारत से उनके जाने के क्या कारण थे? भारत के किन क्षेत्रों से अनुबंधित श्रमिक किन–किन देशों में गए ?

**उत्तर :**

अनुबंधित श्रमिक वे लोग थे जो 19वीं शताब्दी में भारत और चीन से बागानों, खदानों और सड़क व रेलवे निर्माण परियोजनाओं में काम करने के लिए एक विशेष प्रकार के अनुबंध या एग्रीमेंट के अंतर्गत गए। उन अनुबंधों की शर्त यह होती थी कि यदि मजदूर अपने मालिक के बागानों में पाँच वर्ष पूरे कर लेता है तभी वह स्वदेश लौट सकता है।

**श्रमिकों के जाने के कारण**

1. भारत से ये अनुबंधित श्रमिक मौजूदा पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य भारत और तमिलनाडु के सूखे क्षेत्रों से गए क्योंकि इन क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों का अंत हो चुका था।
2. जमीन के किराये में वृद्धि और बागानों को साफ करने से गरीबों की दशा खराब हो चुकी थी क्योंकि वह बँटाई पर जमीन तो ले लेते थे, परंतु उसका भाड़ा नहीं चुका पाते थे।
3. इस प्रकार उन पर कर्ज का बोझ बढ़ता जाता था। इसके परिणामस्वरूप उन्हें काम की तलाश में अपने घर–बार छोड़ने पड़े।

भारतीय अनुबंधित श्रमिक कैरीबियाई द्वीप समूह– त्रिनिदाद, गुयाना और सूरीनाम, मॉरीशस व फिजी गए। तमिल आप्रवासी सीलोन (श्रीलंका) और मलाया ले जाए गए।

**30.** निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

ऊर्जा सभी क्रियाकलापों के लिए आवश्यक हैं। खाना पकाने में, रोशनी व ताप के लिए, गाड़ियों के संचालन तथा उद्योगों में मशीनों के संचालन में ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

ऊर्जा का उत्पादन ईंधन खनिजों जैसे– कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम तथा विद्युत से किया जाता है। ऊर्जा संसाधनों को परंपरागत तथा गैर–परंपरागत साधनों में वर्गीकृत किया जा सकता है। परंपरागत साधनों में लकड़ी, उपले, कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा विद्युत (दोनों जल विद्युत व ताप विद्युत) सम्मिलित हैं। गैर–परंपरागत साधनों में सौर, पवन, ज्वारीय, भू–तापीय, बायोगैस तथा परमाणु ऊर्जा शामिल किये जाते हैं।

ग्रामीण भारत में लकड़ी व उपले बहुतायत में प्रयोग किये जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार ग्रामीण घरों में आवश्यक ऊर्जा का 70 प्रतिशत से अधिक इन दो साधनों से प्राप्त होता है; लेकिन अब घटते वन क्षेत्र के कारण इनका उपयोग करते रहना कठिन होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त उपलों का उपभोग भी हतोत्साहित किया जा रहा है क्योंकि इससे

सर्वाधिक मूल्यवान खाद का उपभोग होता हैं जिसे कृषि में प्रयोग किया जा सकता है।

**30.1** ऊर्जा के परम्परागत स्रोत कौनसे है?

**30.2** भारत में नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करने पर बल देने की आवश्यकता क्यों है?

**30.3** परम्परागत और गैर–परम्परागत ऊर्जा संसाधनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

**30.1**

कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, विद्युत ऊर्जा आदि।

**30.2**

(a) तेजी से बढ़ते ऊर्जा उपभोग के परिणामस्वरूप देश के जीवाश्म ईंधन जैसे– कोयला, तेल तथा गैस इत्यादि पर निर्भरता बढ़ गई है।

(b) तेल एवं गैस की बढ़ती कीमतें तथा इनकी कमी ने भविष्य में ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के प्रति अनिश्चितता में वृद्धि की है। जिसके राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

(c) इसके अतिरिक्त जीवाश्म ईंधन के बढ़ते उपयोग के कारण पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

(d) अतः नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का प्रयोग; जैसे– सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, बायोमॉस तथा अपशिष्ट पदार्थों से ऊर्जा के उपयोग करने पर बल देने की आवश्यकता है।

**30.3**

**परंपरागत एवं गैर–परंपरागत ऊर्जा संसाधनों में अन्तर**

| परंपरागत | गैर–परंपरागत |
|---|---|
| परंपरागत ऊर्जा संसाधनों में कोयला, लकड़ी, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, विद्युत तथा उपले आते हैं। | गैर–परंपरागत संसाधनों में सौर, पवन, बायोगैस, परमाणु ऊर्जा, ज्वारीय तथा भूतापीय ऊर्जा आते हैं। |
| परंपरागत संसाधन अनवीकरणीय होते हैं तथा भविष्य में इनकी कमी की संभावना है। | गैर–परंपरागत ऊर्जा संसाधन नवीकरणीय है। |
| परंपरागत ऊर्जा संसाधन पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न करते हैं। | गैर–परंपरागत ऊर्जा संसाधन पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न नहीं करते हैं। |
| ये खर्चीले हैं। | ये सस्ते हैं। |
| **उदाहरण–** कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, विद्युत इत्यादि। | **उदाहरण–** सौर, पवन, ज्वारीय, भूतापीय, बायोगैस इत्यादि। |

**31.** बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ विद्यमान हैं? 5

**उत्तर :**

जाति–व्यवस्था हमेशा से भारतीय समाज का अभिन्न हिस्सा रही है और इसने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। यद्यपि भारतीय संविधान द्वारा जाति के आधार पर नागरिकों के बीच भेदभाव को समाप्त कर दिया गया है, परंतु आज भी अनेक क्षेत्रों में जातीय असमानताएँ देखने को मिलती हैं, अस्पृश्यता, जो जातिवाद का सबसे घिनौना रूप है, को संविधान द्वारा समाप्त कर दिया गया है और किसी भी रूप में इसका प्रयोग दंडनीय अपराध घोषित कर दिया गया है, परंतु कई स्थानों पर विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह आज भी जारी है। आज भी अधिकतर लोग अपनी जाति के अंदर ही विवाह करते हैं तथा संबंध स्थापित करते हैं। भारत में राजनीतिक नेता तथा राजनीतिक दल जातिवाद को बढ़ावा देने के लिए काफी हद तक उत्तरदायी हैं। आधुनिक भारत में जाति की संरचना और जाति व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन आया है। लेकिन फिर भी समकालीन भारत से जाति–प्रथा समाप्त नहीं हुई है। जातिगत असमानता की कुछ सामाजिक बुराइयाँ आज भी विद्यमान हैं। इनका विवरण इस प्रकार है–

1. आज सभी जातियों में अमीर लोग हैं पर यहाँ भी ऊँची जातिवालों का अनुपात बहुत ज्यादा है और निचली जातियों का बहुत कम।
2. जो जातियाँ पहले से ही शिक्षा के क्षेत्र में आगे थी, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में भी उन्हीं का बोलबाला है जिन जातियों को पहले से शिक्षा से वंचित रखा जाता था, उनके सदस्य अभी भी पिछड़े हुए हैं।
3. अभी भी ज्यादातर लोग अपनी जाति या कबीले में ही शादी करते हैं।
4. संवैधानिक प्रावधान के बावजूद छुआछूत की प्रथा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।
5. जाति व्यवस्था के अंतर्गत कुछ जातियाँ लाभ की स्थिति में रहीं तथा कुछ को दबाकर रखा गया। इसका प्रभाव आज भी नजर आता है। यानी ऊँची जाति के लोगों की आर्थिक स्थिति सबसे अच्छी है व दलित तथा आदिवासियों की आर्थिक स्थिति सबसे खराब है।
6. हर जाति में गरीब लोग हैं पर गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने वालों में अधिक संख्या निचली जातियों के लोगों की है। ऊँची जातियों में गरीबी का प्रतिशत सबसे कम है।

आज भी जाति व्यवस्था आर्थिक स्थिति के निर्धारण में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि आज भी भारतीय समाज में जातिगत असमानताएँ विद्यमान हैं।

**32.** भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर एक लेख लिखिए। 5

**उत्तर :**

**नीतियाँ और कार्यक्रम**

भारतीय जनता पार्टी देश की प्रमुख पार्टी है। इसकी प्रमुख नीतियाँ तथा कार्यक्रम निम्नलिखित हैं–

1. निरक्षरता की समाप्ति तथा माध्यमिक स्तर तक शिक्षा को अनिवार्य एवं पूर्णतया निःशुल्क बनाकर नीति लागू करना।
2. रेडियो तथा टेलीविजन को स्वायत्तता प्रदान करना।
3. गरीबी तथा बेरोजगारी को दूर करना।
4. मानव अधिकारों की रक्षा करना तथा लोगों को उनके अधिकार दिलाना।
5. लोकतंत्र तथा उचित धर्मनिरपेक्षता।
6. अंत्योदय आर्थिक कार्यक्रम।
7. समान नागरिक संहिता।
8. गुटनिरपेक्षता की नीति में विश्वास और पड़ोसी देशों से संबंधों को सुधारने में विश्वास।

**उपलब्धियाँ**

1. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता की हैसियत से यह पार्टी 1998 में सत्ता में आई।
2. गठबंधन में कई प्रांतीय और क्षेत्रीय दल शामिल थे।
3. 2004 के लोकसभा चुनाव में यह पार्टी पराजित हुई और लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल बनी।
4. यह सर्वाधिक शक्तिशाली विरोधी दल होने के साथ–साथ लगभग 10 से 12 राज्यों में सत्ता में या सत्ता की भागीदार रही।
5. 2014 लोकसभा चुनाव में यह पार्टी भारी बहुमत से विजयी रही और सत्ता में आई।

**33.** साख के स्रोतों के दो वर्ग कौन–से हैं? प्रत्येक वर्ग की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5

**उत्तर :**

साख एक ऐसी स्थिति है जिसके अंतर्गत ऋणदाता ऋणी को वस्तुएँ, मुद्रा अथवा सेवाएँ इस शर्त पर प्रदान करता है कि वह भविष्य में उसका भुगतान करेगा।

ऋणदाता को साख स्रोत भी कहते हैं। साख के स्रोतों को दो मुख्य वर्गों में विभाजित किया जाता है–

1. **साख के औपचारिक क्षेत्र–** इसके अंतर्गत बैंक तथा सहकारी समितियाँ आती हैं।
2. **साख के अनौपचारिक क्षेत्र–** इसके अंतर्गत साहूकार, मित्र, संबंधी, व्यापारी आदि आते हैं।

**साख के औपचारिक स्रोतों की विशेषताएँ**

1. ये स्रोत भारतीय रिजर्व बैंक के अधीन कार्य करते हैं। उसी के निर्देशानुसार जनता को ऋण देते हैं। ये निष्ठापूर्वक कार्य करते हैं।
2. इन स्रोतों की ब्याज की दर भी बहुत कम होती हैं।
3. ये स्रोत ऋणी व्यक्ति पर ऋण वापसी के लिए दबाव भी नहीं डालते तथा उनकी समाज में निंदा भी नहीं करते।

**साख के अनौपचारिक स्रोतों की विशेषताएँ**

1. वे ऋणी को, उसकी आय के स्रोत को तथा उसकी आर्थिक स्थिति को भली प्रकार से जानते हैं।
2. वे ऋणी को किसी भी समय आवश्यकतानुसार ऋण दे देते हैं।
3. वे ऋण देते समय ऋणी से ऋण राशि से अधिक मूल्य की वस्तु को गिरवी के रूप में अपने अधिकार में ले लेते हैं।

**अथवा**

केन्द्रीय बैंक तथा वाणिज्यिक बैंक में अन्तर बताएँ।

**उत्तर :**

**केन्द्रीय बैंक तथा वाणिज्यिक बैंक में अन्तर**

| आधार | | केन्द्रीय बैंक | वाणिज्यिक बैंक |
|---|---|---|---|
| 1. | अर्थ | यह देश के मौद्रिक और बैंकिंग ढाँचे वाला एक शीर्ष संस्थान हैं। | लाभ कमाने के प्रयोजन से मुद्रा और साख में कार्य–व्यवहार करने वाला संस्थान हैं। |
| 2. | उद्देश्य | सामाजिक कल्याण को प्रोन्नत करना। | लाभ कमाना। |
| 3. | कार्य–क्षेत्र | लोगों के साथ सीधा संपर्क नहीं रहता। | लोगों के साथ सीधा संपर्क रहता हैं। |
| 4. | प्रतिस्पर्धा | वाणिज्यिक बैंकों के साथ इसकी कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती। | संख्या में अनेक होने से इन बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धा रहती हैं। |
| 5. | नियंत्रण | सरकार के नियंत्रण में कार्य करता है। | सरकार या फिर निजी क्षेत्र के स्वामित्व वाला भी हो सकता हैं। |

**34. वैश्वीकरण उपभोक्ताओं के साथ–साथ उत्पादकों के लिए लाभकारी रहा है।** इस कथन की पुष्टि उपयुक्त उदाहरणों द्वारा कीजिए। 5

**उत्तर :**

व्यापार वित्तीय प्रवाह, तकनीक एवं सूचना के जाल के माध्यम से विश्व की अर्थव्यवस्था का समन्वय एवं एकीकरण ही वैश्वीकरण कहलाता है। वैश्वीकरण उपभोक्ताओं तथा उत्पादकों दोनों के लिए निम्नलिखित प्रकार से लाभकारी सिद्ध हुआ है–

**उपभोक्ताओं को लाभ**

1. वैश्वीकरण के कारण लोगों को अपनी आवश्यकता एवं इच्छा के अनुकूल वस्तुएँ प्राप्त हो रही हैं।

2. उपभोक्ता वस्तुओं के मूल्यों में भी तुलना करके कम मूल्य की श्रेष्ठ वस्तु का क्रय कर सकता है। इससे वह कम धन खर्च करके अधिक संतुष्टि प्राप्त कर सकता है।
3. उपभोक्ता को विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ निकट के बाजार में ही उपलब्ध हो जाती हैं। अतः उसे वस्तुओं की प्राप्ति के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। इससे धन, समय एवं शारीरिक शक्ति की बचत होती है।
4. संचार माध्यमों द्वारा विज्ञापनों के विषय में उपभोक्ता को अधिकतम जानकारी घर बैठे ही प्राप्त हो जाती है जो उसके लिए उपयोगी वस्तुओं के क्रय में सरलता एवं उपयुक्त मूल्य का ज्ञान कराती है।

**उत्पादकों को लाभ**

1. किसी भी देश में यदि किसी विशिष्ट वस्तु का उत्पादन होता है तो वैश्वीकरण के माध्यम से अन्य देशों से वस्तु की माँग में वृद्धि होगी और उत्पादक वस्तुओं का अधिक एवं निरन्तर उत्पादन करेंगें जिससे उन्हें अधिक लाभ प्राप्त होगा।
2. उत्पादक अधिक मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कच्चे माल के रूप में कर सकेंगे।
3. उत्पादकों को विश्व के अन्य देशों में प्रचलित तकनीक का ज्ञान भी इसी माध्यम से हो सकेगा।
4. देशों में इस माध्यम से बेरोजगारी की समस्या का निदान भी हो सकेगा।

   **उदाहरण**–चीन दिन–प्रतिदिन अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में छा रहा है। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की वस्तुओं का निर्माण करके अन्य देशों में कम मूल्य पर निर्यात कर रहा हैं। इससे अन्य देश के उद्योगों को नई तकनीक का ज्ञान होता है तथा वे प्रतियोगिता में खड़े होकर उत्पादन में नवीनता एवं वृद्धि कर सकते हैं।
5. वैश्वीकरण से उत्पादन में वृद्धि हुई है तथा आयात–निर्यात भी बढ़ा है।

## मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

**35.** (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ पर किसानों का सत्याग्रह आंदोलन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) रामागुंडम – तापीय ऊर्जा संयंत्र

(ii) मुम्बई – छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(iii) कोयम्बटूर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) जमशेदपुर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) तिरुअनंतपुरम् – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) कोच्चि – प्रमुख समुद्री पत्तन

**उत्तर :**

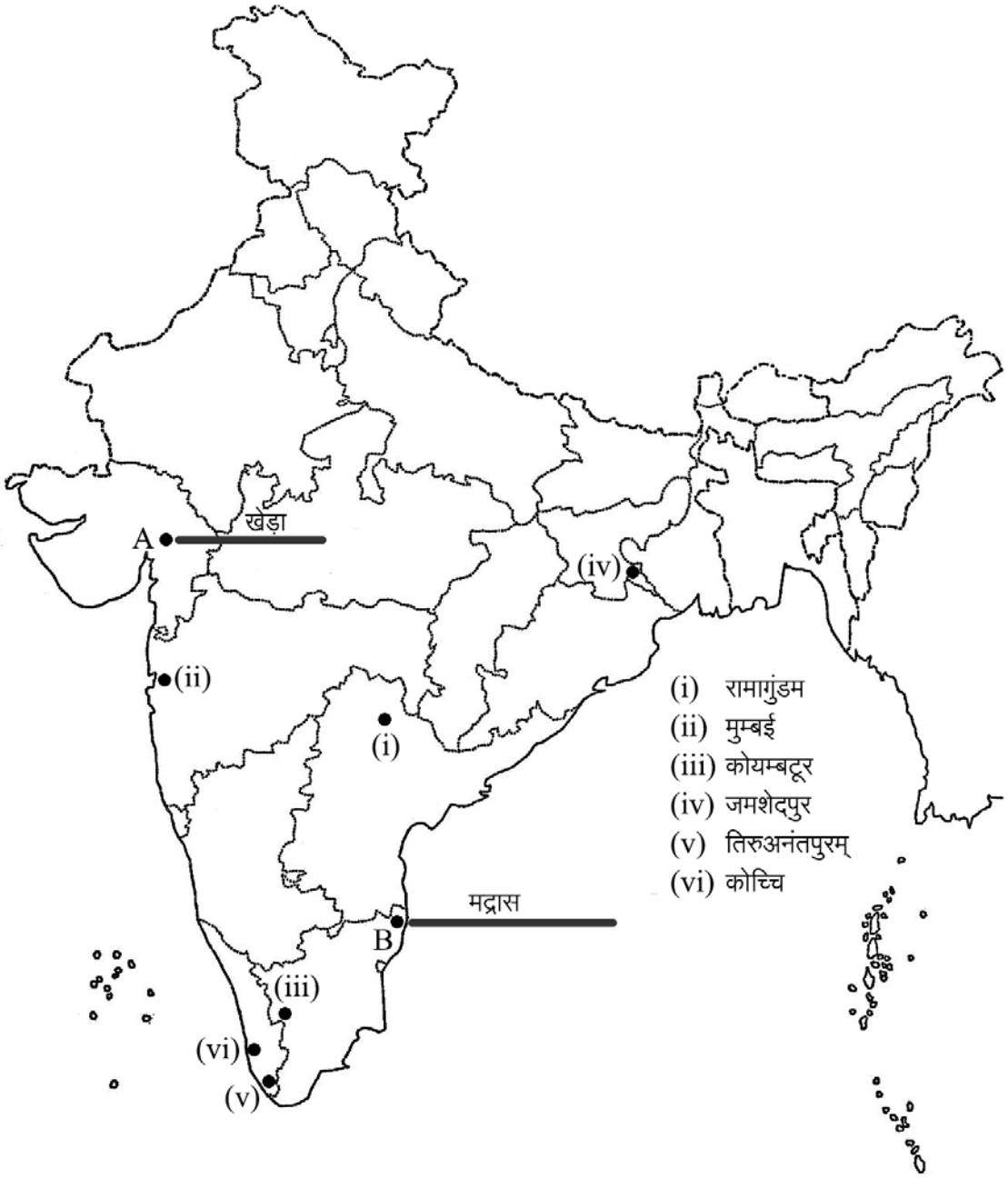


WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.